

2021 में आठ गुना हो जाएगी भारत में ऑनलाइन एजुकेशन



भारत में इंटरनेट शिक्षा का बाजार तेजी से आकार ले रहा है। एक अनुमान के मुताबिक 2021 में यह बढ़कर आठ गुना हो सकता है। 2016 में इसका बाजार 247 लाख डॉलर था जो 2021 तक करीब दो अरब यूएस डॉलर का हो जाएगा। इस बात का खुलासा सर्वे इंजन गूगल और प्रोफेशनल सर्विस फर्म (केपीएमजी) के सर्वे में हुआ है।

इस फर्म ने भारत में ऑनलाइन एजुकेशन को लेकर 27 शहरों में 3600 लोगों के बीच सर्वे किया है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन एजुकेशन के पेड यूजर्स की संख्या 16 लाख से बढ़कर 96 लाख हो गया है। पिछले दो वर्षों में ऑनलाइन खोज में दोगुनी और पिछले एक साल में यूट्यूब पर शैक्षिक सामग्री के इस्तेमाल के मामले में चार गुना का इजाफा हुआ है। पटना, गुवाहाटी, अलीगढ़ और कोटा में यूजर्स की संख्या में सबसे तेजी से बढ़ोतरी

माध्यमिक की हिस्सेदारी 39%

रिपोर्ट के मुताबिक छात्रों की बड़ी संख्या में होने से 2021 में प्राथमिक और माध्यमिक अनुपूरक शिक्षा की हिस्सेदारी 39% की होगी। साथ ही ऑनलाइन प्रशिक्षण की तैयारी करने वालों में 64 फीसदी का इजाफा होगा।

केपीएमजी के एक अधिकारी श्रीधर प्रसाद का कहना है कि ऑनलाइन टेस्ट की तैयारी करने वालों में 56 पुरुष और 44 महिलाएं होंगी। इनमें 33 भारतीय महिलाएं की नजर में ऑनलाइन एजुकेशन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है।

देखी गई है। देश के छह महानगरों में ऑनलाइन शिक्षा से जुड़ी चीजों की खोज में वृद्धि 46 फीसदी जबकि पिछले साल 35 फीसदी लोगों ने ऑनलाइन शिक्षा जानकारी हासिल की थी।

रीडर्स कॉर्नर...

यूनिवर्सिटी पेज पर क्रॉस बोर्डर एजुकेशन पर उभरने लगे हैं नए संकेत ज्ञानवर्द्धक लेख लगा। इस लेख के लिए पत्रिका को धन्यवाद।

तरुण शर्मा

यूनिवर्सिटी पन्ने पर दी गई जानकारी कि क्लाउड चेंज की बेहतरी के लिए टोकियो कनवेंशन पर अमल जरूरी अच्छा लगा। पत्रिका को इस जानकारी के लिए बधाई

दिनेश कुमावत

कैम्ब्रिज और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से कम होता है भारत के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शोध पढ़कर हकीकत का अहसास हुआ। शिक्षा में सुधार की जरूरत है। सरकार को इसके लिए और प्रयास करने होंगे।

- धर्मवीर खत्री